10. परोपकार

परोपकार अर्थात् दूसरों पर उपकार करना। जब हम निस्वार्थ भावना से किसी दूसरे की सेवा करते हैं तो उसे परोपकार का नाम दिया जाता है। मदर टेरेसा, गाँधीजी व विनोबा भावे ये ऐसे नाम हैं जिन्होंने अपना जीवन दूसरों की सहायता हेतु समर्पित कर दिया। आज समाज में जितने भी चैरीटेबल अस्पताल, वृद्धाश्रम, नारीसदन, अनाथालय, अंधविद्यालय व धर्मशालाएँ चलती हैं ये सब परोपकार की भावना से ही प्रेरित हैं। कहा जाता है कि प्रत्येक मनुष्य में ईश्वर निवास करता है। इसीलिए यदि मनुष्य-मनुष्य से प्रेम करे, मुश्किल समय में एक-दूसरे के काम आए तो ईश्वर भी प्रसन्न होते हैं। यदि हम अपने प्राचीन इतिहास को देखें तो पाएँगे कि दधीचि ऋषि ने सुरों (देवताओं) को बचाने हेतु अपनी अस्थियाँ दान में दे डालीं, शिवी ने अपना मांस कबूतर हेतु दिया। ये सब परोपकार की भावना से ही संभव है। परोपकार हमारे जीवन में अति आवश्यक है क्योंकि यदि परोपकार की भावना न हो तो हर व्यक्ति स्वार्थी हो जाएगा। यदि हम प्रकृति को भी देखें तो पाते हैं कि पेड़ कभी अपनी छाया या फल अपने लिए नहीं लेते, नदियाँ या सरोवर अपना जल नहीं पीते। इसलिए मनुष्य को भी चाहिए कि समाज, राष्ट्र में एकता बनाए रखने हेतु, समाज को ऊँचा उठाने हेतु सदा एक-दूसरे के काम आए। हमारे धार्मिक ग्रंथों के अनुसार परहित करना ही सबसे बड़ा धर्म है। तभी तो तुलसीदास ने भी कहा–

"परहित सरिस धर्म नहि भाई।"

11. कंप्यूटर का महत्त्व

आज का युग कंप्यूटर का युग है। कंप्यूटर एक ऐसा मशीनी मस्तिष्क है जो ऐसे-ऐसे कार्य करने में सक्षम है जो मनुष्य की पहुँच से भी बाहर हैं। लाखों, करोड़ों व इससे भी अधिक संख्याओं की गणनाएँ यह पलक झपकते ही करने की क्षमता रखता है। सबसे बड़ी विशेषता इसकी यह है कि भले ही मनुष्य इसके उपयोग में किसी प्रकार की कोई गलती कर दे लेकिन यह सही सूचना देने में पूर्णतया सफल होता है। आज कंप्यूटर सभी कार्यालयों, विभागों, विद्यालयों, बैंक, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, हवाई अड्डों, यहाँ तक कि सभी दुकानों के कामकाज करने में पूर्ण सहयोगी है। मनोरंजन के साधनों में भी इसका जवाब नहीं। बच्चे तो बच्चे बड़े से बड़े भी इसके मनोरंजन से प्रसन्न रहते हैं। किसी भी व्यक्ति को यदि बंद कमरे में कंप्यूटर देकर बिठा दिया जाए तो शायद वह स्वतंत्र घूमने वाले प्राणी से अधिक प्रसन्न होगा। वैज्ञानिक क्षेत्र में देश-विदेश व अंतरिक्ष के कार्य कंप्यूटर के सहारे ही होते हैं। अंतरिक्ष से संबंध भी यही स्थापित करता है। इंटरनेट इसकी विशेष देन है। कुछ ही क्षणों में हम अपने प्रत्येक कार्य हेतु पूरे विश्व से सूचनाएँ प्राप्त कर सकते हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में हर प्रयोग व हर बीमारी की जाँच यहाँ तक कि हृदय गति मापने तक का कार्य यह बखूबी करता है। लेकिन कई बार बच्चे व कुछ लोग इसका गलत प्रयोग कर स्वयं ही गुमराह होते हैं जोकि गलत है। हमें इस उपयोगी साधन का सकारात्मक रूप में ही प्रयोग करना चाहिए।